जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 01 दिसंबर 2020

जामिया में जियो-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से क्षमता निर्माण पर (ऑनलाइन) कार्यशाला

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने आज पीएचडी और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए यूजीस एसएपी-डीआरएस-1 कार्यक्रम के तहत 'जियो-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से क्षमता निर्माण' विषय पर एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला (ऑनलाइन) का उद्घाटन किया। यह कार्यशाला 6 दिसंबर, 2020 तक जारी रहेगी।

कार्यशाला का मकसद उस भू-स्थानिक तकनीकों पर क्षमता का निर्माण करना है जो वर्तमान में सभी विषयों सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली तकनीकों में से एक है। इस तकनीक के जरिए, वर्कशाप में हिस्सा ले रहे छात्र भू-स्थानिक तकनीकों पर बुनियादी अवधारणाओं और अनुसंधान विश्लेषण विश्लेषण की विधियों के उपयोग से परिचित होंगे।

कार्यशाला सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को हल करने में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अंत ज्ञान प्रदान कराने में मददगार साबित होगी।

इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (एसईईडी) में साइंटिस्ट-जी प्रमुख, डा डी दत्ता उद्घाटन समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर थे।

जामिया के भूगोल विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मैरी ताहिर के स्वागत भाषण से उद्घाटन सत्र शुरू हुआ।

कार्यशाला के यूजीसी-डीआरएस-आई और समन्वयक प्रो अतीकुर्रहमान ने कार्यशाला के मकसद और फायदों के बारे में बताया।

भूगोल विभाग के डॉ तरुण बंसल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव की प्रस्तुति के साथ यह सत्र संपन्न हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक